नवान ...... गुरुदेवसिंह आदि बनाम प्र.ट. 09/2019

स्टेट ऑफ राजस्थान जरिये तहसीलदार, श्रीकरणपुर व अन्य

तारीख हुक्म	हुक्म या कार्यवाही मय इनिशियल्स जज	नम्बर व तारीख अहकाम जो इस हुक्म की तामिल में जारी हुए
1-4-2021	पत्रावली पेश हुई। पीठासीन अधिकारी महोदय अन्य कार्यों में व्यस्त है पत्रावली वास्ते दिनांक 8.4.21 को पेश हो।	
8-4-21	पत्रावली पेश हुई। उभय पक्ष के अधिवक्ता उपस्थित हुए साक्ष्य पेश करने के लिए अन्तिम समय दिया जाता है। पत्रावली वास्ते दिनांक 15-4-21 को पेश हो।	
15-4-21	पत्रावली निर्णय हेतु पेश हुई। पत्रावली का गहनता से अध्ययन व मनन किया गया। न्यायालय श्रीमान अतिरिक्त जिला कलेक्टर (सतर्कता) 2019 3546 दिनांक 18.2-19 को प्रकरण संख्या 05/18 गुरदेव सिंह बनाम मुख्त्यार सिंह द्वारा रिमांड किया गया कि जाँच की जावे कि भागवान कौर को जमीन कहाँ से प्राप्त हुई। (2) भागवान कौर दलीप सिंह की पत्नि थी या नहीं (3) यदि जमीन दलीपसिंह से आई है तो इसका उत्तराधिकार किस प्रकार से तय होगा व उसका उत्तराधिकारियों पर क्या प्रभाव होगा दलीपसिंह की दो पत्नियाँ थी पहली चन्दकौर दूसरी भागवान कौर, भागवान कौर पत्नि के रूप में दलीप सिंह के साथ रही इसके साक्ष्य के रूप में	

बनाम

स्टेट ऑफ राजस्थान जरिये तहसीलदार, श्रीकरणपुर व अन्य

तारीख हुक्म	हुक्म या कार्यवाही मय इनिशिवल्स जज	नम्बर व तारीख अहकाम जो बसे हुक्म की तामील जारी हुए
	निम्न प्रमाण है:.. (1) श्रीकरणपुर विधानसभा की वर्ष 1971 की मतदाता सूची के भाग संख्या 76 क्रमांक संख्या 297 पर भागवान कौर पत्नि दलीपसिंह दर्ज है। (2) विधानसभा 1980 की मतदाता सूची भागसंख्या 36 क्रमांक संख्या 289 पर भागवान कौर W/o दलीपसिंह दर्ज है। तथा मतदाता सूची 1998 कि क्रम सं. 884 पर भी भागवान कौर W/o दलीपसिंह दर्ज है। (3) मतदाता पहचान पत्र क्रमांक RJ/01/008/0144223 वर्ष 1995 मे भागवान कौर W/o दलीपसिंह दर्ज है। (4) राशनकार्ड संख्या 8 मे भी दो पत्नियां चन्दकौर व भागवान कौर W/o दलीपसिंह दर्ज है। (5) जाति प्रमाण पत्र क्रमांक संख्या 91 दिनांक 29-5-1998 मे भी भागवान कौर W/o दलीपसिंह दर्ज है। (6) भागवान कौर की मृत्यु चक 59F मे 27-5-2013 को हुई थी। जिसका मृत्यु प्रमाण पत्र दिनांक 8-5-15 को जारी हुआ जिसमे पति का नाम दलीपसिंह है। (7) मूल निवास स्थान मे क्रमांक 640 दिनांक 2-6-98 पर भागवान कौर W/o दलीपसिंह दर्ज है। (8) मुताबिक रिपोर्ट पटवारी दलीपसिंह के चन्दकौर व भागवान कौर दो	

तारीख हुक्म	हुक्म या कार्यवाही मय इनिशिवल्स जज	नम्बर व तारीख अहकाम जो इस हुक्म की तामिल में जारी हुए
	पत्नियाँ थी प्रथम चन्द कौर थी जिसकी कोख से गुरदेवसिंह पैदा हुआ, तथा भगवान कौर के एक पुत्र मुखत्यार सिंह था जो पूर्व पति मेहर सिंह से पैदा हुआ था जब भगवान कौर पत्नि के रूप मे दलीप-सिंह के आई तब मुखत्यार सिंह लगभग 8/10 वर्ष का था भगवान कौर को दलीपसिंह से कोई सन्तान पैदा नही हुई। दूसरे पक्ष गुरदेवसिंह द्वारा कोई ठोस साक्ष्य साक्ष्य पेश नही हुआ जिससे सिद्ध हो सके कि भगवान कौर दलीपसिंह की पत्नि नही थी। तथ्यो से साबित होता है कि दलीप सिंह की दो पत्नियाँ थी पहली चन्दकौर तथा दूसरी भगवान कौर जो बतौर ~~पत~~ पत्नियाँ साथ रहती थी। श्रीमान अतिरिक्त जिला कलेक्टर महोदय (सतर्कता) श्री गंगानगर के रिमांड प्रकरण के तीनो बिन्दुओ की जाँच निम्न प्रकार है। (1) भगवान कौर को भूमि पति दलीपसिंह की मृत्यु के बाद ~~प~~ विरासत प्राप्त हुई (11) उपरोक्त तथ्यो से साबित होता है कि भगवान कौर दलीपसिंह की पत्नि थी तथा बतौर पत्नि दलीप सिंह के साथ रहती थी। (111) इन्तकाल संख्या 165 व 307 पर	

बनाम

स्टेट ऑफ राजस्थान जरिये तहसीलदार, श्रीकरणपुर व अन्य

तारीख हुक्म	हुक्म या कार्यवाही मय इनिशिवल्स जज	नम्बर व तारीख अहकाम जो इस हुक्म की तामिल में जारी हुए
	कोई प्रभाव नही पड़ता क्योंकि चन्दकौर व भागवान कौर दोनों दलीपसिंह की पत्नियाँ थी। तथा उनके वारिस उत्तराधिकारी है। फैसला खुले न्यायलय मे पढ़कर सुनाया गया। पत्रावली नम्बर से कम होकर दाखिल दफ्तर हो।	